वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 28 | शुक्रवार 23 मई 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जिनभक्ति से ही निर्वाण संभव: मुनि जय कीर्ति गुरुदेव

दस दिवसीय जैन रामायण कथा, आज होगा हनुमान जन्म का प्रसंग

सायंकाल हुई महाआरती एवं भक्ति संध्या में झूमे श्रद्धालु

जयपुर. शाबाश इंडिया

महापुरुष का क्रोध हाथ जोड़ने से और क्षमा याचना से शांत हो जाता है इसलिए ही तो वह निकट मोक्षगामी जीव होता है। जिन भक्ति से ही निर्वाण सम्भव है। ये उद्गार गुलाबी नगरी जयपुर की पावन धरा पर पहली बार दुर्गापुरा के श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्र प्रभजी में राजस्थान जैन युवा महासभा, जैन कनेक्ट, दुगार्पुरा जैन मंदिर ट्रस्ट एवं महिला मंडल दुगार्पुरा के संयुक्त तत्वावधान में दिगम्बर जैन मुनि जयकीर्ति के मुखारबिंद से चल रही दस दिवसीय जैन रामायण कथा के पांचवें दिन गुरुवार को मुनि जयकीर्ति महाराज ने व्यक्त किये। उन्होंने कथा के दौरान रावण का सीता के साथ लंका प्रवेश, विभिषण-सीता संवाद, रावण का बाली मुनिराज पर उपसर्ग, सुग्रीव - राम मुलाकात, पवनंजय-अन्जना विवाह, लक्ष्मण का कोटि शीला उठाना सहित अन्जना का वनवास प्रसंग का बडा सुन्दर चित्रण किया। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि प्राचीन जैन ग्रन्थ 'पद्मपुराण' पर आधारित जैन रामायण कथा के संगीतमय आयोजन भगवान चन्द्र प्रभू के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्जवलन समाज श्रेष्ठी शिखर चन्द कासलीवाल, श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के राजस्थान अंचल अध्यक्ष कमल बाबू जैन, कुसुम कासलीवाल, रत्ना गंगवाल, विनोद जैन कोटखावदा, राजेन्द्र काला, नरेश बाकलीवाल, रानी सोगानी, अतीव जैन, अनुज जैन, मनीष सोगानी आदि ने किया। ब्रह्मचारिणी पल्लवी दीदी द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया। मुनि श्री जयकीर्ति महाराज के पाद पक्षालन समाज श्रेष्ठी विनीत - रश्मि चांदवाड सिद्धार्थ नगर वालों ने किया। कथा के प्रमुख श्रोता राजा श्रेणिक का पुण्यार्जन समाज श्रेष्ठी अनूप देवी, शिखर चन्द - कुसुम देवी, मनोज - स्मिता, कृश, सिद्धेश कासलीवाल साईवाड वाले ने किया। इस मौके पर पूर्व सांसद राम चरण बोहरा, जोधपुर एम्स के अध्यक्ष डॉ एस एस अग्रवाल, प्रसिद्ध विद्वान प्रो. श्रेयांस सिंघई, मनोनीत पार्षद राजेन्द्र सोगानी एवं चेतन जैन निमोडिया गौरवमयी अतिथि के रूप में शामिल हुए। आयोजन समिति की ओर से रुपल गंगवाल, हिमांशु बज, कमलेश जैन, रितेश जैन, संदीप जैन आदि ने अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया। कथा के मुख्य श्रोता राजा श्रेणिक के रुप में शिखर चन्द-कुसुम देवी, मनोज - स्मिता कासलीवाल परिवार साईवाड के सदस्यों का गाजों बाजों के साथ सभागार में जयकारों के बीच आगमन हुआ। राजा श्रेणिक परिवार परिवार एवं पुलक मंच जयपुर शहर की संरक्षिका रत्ना गंगवाल द्वारा मुनि श्री को जिनवाणी भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। राजा श्रेणिक बने शिखर चन्द कासलीवाल ने मुनि श्री से प्रश्न किया कि हे गुरुवर हनुमान का जन्म कैसे हुआ? मुनि श्री द्वारा समाधान के रुप में रविषेणाचार्य द्वारा रचित प्राचीन जैन ग्रन्थ 'पद्मपुराण' में उल्लेखानुसार जैन रामायण कथा का वाचन प्रारम्भ किया। गुरुदेव के मुखारविंद से राम कथा के पांचवें दिन वैराग्य के बीज बोने वाली राम कथा में रावण सीता को बार-बार मनाते हैं लेकिन सीता तो सती है उनके लिए तो राम के सिवाय और कुछ भी नहीं फिर मंदोदरी भी सीता को मनाती है फिर रावण और मंदोदरी का भी संवाद होता है रावण का सीता के साथ लंका में प्रवेश होता है फिर विभीषण का सीता के साथ संवाद होता है और विभीषण फिर रावण को समझाता है...रावण बाली मुनिराज पर उपसर्ग करता है कैलाश पर्वत को उठा लेता है फिर बाली मुनिराज के द्वारा कैलाश पर्वत की रक्षा करना फिर मंदोदरी का बाली मुनिराज से रावण के लिए क्षमा याचना करना....और फिर रावण का अहंकार चूर-चूर हो जाता है और फिर रावण के द्वारा जबरदस्त जिनेन्द्र भक्ति की जाती है वीणा का तार टूटने पर अपने हाथ की नस लगा देता है... और बाली मुनिराज मोक्ष की और गमन कर जाते हैं...।

मगरमच्छ संरक्षण के लिए वेदांता का 5 करोड़ का निवेश

जयपुर. कासं

इंटरनेशनल डे ऑफ बायोडायवर्सिटी पर वेदांता लिमिटेड ने जैव विविधता संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कंपनी की इकाई हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड ने बाघदड़ा नेचर पार्क में मगरमच्छ संरक्षण के लिए वन विभाग, उदयपुर के साथ एमओयू किया। इस समझौते के तहत 5 करोड़ रुपए का निवेश होगा। इसका उद्देश्य 400 हेक्टेयर क्षेत्र को दलदली मगरमच्छों के लिए उपयुक्त आवास में बदलना है। वेदांता लिमिटेड की नॉन एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर प्रिया अग्रवाल हेब्बर ने कहा कि जैव विविधता हमारे ग्रह की धड़कन है। तितली से लेकर बाघ तक, हर जीव का महत्व है।

मेक इन इंडिया का नया मॉडल बन रहा राजस्थान : राज्यवर्धन

जयपुर. कासं

उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान देश का अगला औद्योगिक पावरहाउस बन रहा है। हमारी सरकार ने पिछले कुछ महीनों में सुनिश्चित किया है कि 3.16 लाख करोड़ रुपए के निवेश के साथ 2111 एमओयू के प्रोजेक्ट धरातल पर आ चुके हैं। जयपुर के विश्वकर्मा और विश्वकर्मा-विस्तार औद्योगिक क्षेत्र में रीको ने 45 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। 2024-25 में 28 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं और 17 करोड़ रुपये के वर्क ऑर्डर जारी किए गए हैं। राजस्थान में अब 6877 इंडस्ट्रीयल प्लॉट्स डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं। रीको जीआईएस पर 416 मौजूदा और 16 प्रस्तावित औद्योगिक क्षेत्रों को मैप भी किया गया है। 14 नए औद्योगिक पार्कों की पहचान की गई है। अकेले एमएसएमई नीति में 12 हजार करोड़ रुपए का निवेश और 1 लाख नौकरियां पैदा करने की क्षमता है।

Rotary District 3056

ROTARY CLUB JAIPUR NORTH

INVITES YOU in

Mrs. Rajasthan 2025

Event by
FUSION GROUP

In Association With
ARYA GROUP OF COLLEGES
ARYA MAIN CAMPUS, JAIPUR

Mrs. Rajasthan 2025

Powered by
HOTEL GRAND SAFARI

In Association With
neelkanth events

Friday May 23rd 2025

Sharp 6 PM

Venue : Birla Auditorium, Jaipur

Silverine | DressZilla | Adformax | POPULAR PERSONALITIES PINKCITY A PAGE 3 CLUB

Rtn. Anil Anita Jain President	Rtn. Dr. Archana Sharma Club Mentor	Rtn. Dr. Amit Kopal Sharma Secretary

जयदु श्रुत देवता

श्री मुनिसुव्रतनाथ जिनेन्द्राय नमः

श्रुत देवता जयवंत रहें

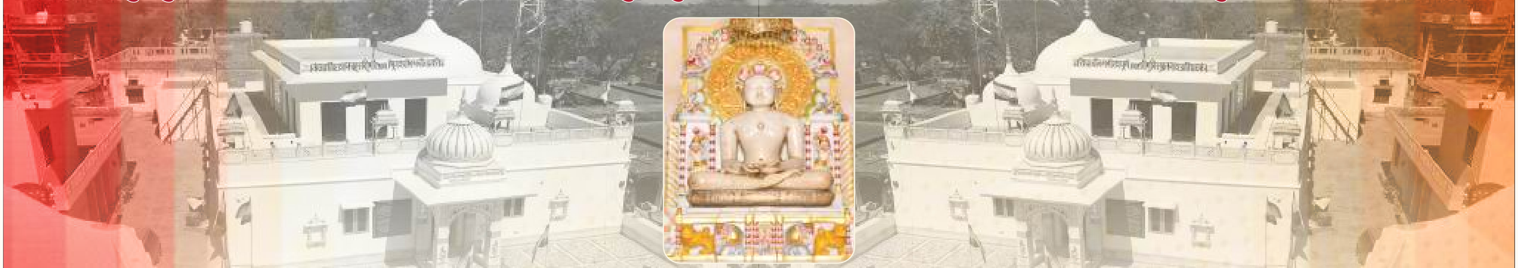

अति प्राचीन श्री मुनिसुव्रतनाथ अतिशय क्षेत्र हस्तेड़ा (चौमू) जयपुर

जिनवाणी स्थापना महोत्सव

शुभ तिथि :- श्रुत पंचमी 31 मई, शनिवार 2025

जीर्णोद्धार से पूर्व जिनवाणी

जीर्णोद्धार के उपरान्त जिनवाणी

अति प्राचीन मनोरथ पूर्ण 1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ अतिशय क्षेत्र, हस्तेड़ा, चोमू (जयपुर)

इतिहास पुरोवाक

राजस्थान की पुण्य भूमि, मौन्दर्य की मनोहारी छटा में, प्राचीन सरस्वती नदी की सहायक नदी के किनारे स्थित यह अतिशय क्षेत्र भारत के जैन इतिहास का एक अद्भुत और जीवंत प्रतीक है।

यहाँ मूलनायक श्री मुनिसुव्रतनाथ भगवान की प्रतिमा, जो संवत 1209 (सन 1153 ई.) में आचार्य श्रीयुत स्वामी द्वारा प्रतिष्ठित की गई, जो आज भी नित्य प्रक्षाल और पूजन के साथ विराजमान है। प्रतिष्ठा शिलालेख के अनुसार उस समय 13 पिच्छिका संघ की उपस्थिति विशेष उल्लेखनीय रही।

मंदिर के शिलालेख और स्थापत्य को देखकर यह स्पष्ट होता है कि यह मंदिर प्राचीन से भी अतिप्राचीन है, और यह विश्व की दूसरी प्राचीनतम मुनिसुव्रतनाथ प्रतिमा मानी जाती है।

यहाँ भगवान संभवनाथ की प्रतिमा संवत 1400 में प्रतिष्ठित हुई, जो मूलनायक के दाहिनी ओर विराजमान है। मंदिर में कुल 15 अन्य प्राचीन प्रतिमाएँ विक्रम संवत 1721-1933 के बीच प्रतिष्ठित हुई, जो इसकी लंबे समय तक चली मनोरथ सिद्धि की परंपरा को दर्शाती हैं।

विशेष धरोहरें

:- 19 अष्टधातु की प्रतिमाएँ (संवत 1880झ्र1926), जिनकी प्रशस्तियाँ अब भी संरक्षित हैं।

:- 9 अत्यंत प्राचीन धातु यंत्र।

:- जीर्णोद्धार में प्राप्त 2 शिलालेख, जिनमें हर 25 वर्षो में महा मस्तकाभिषेक के आयोजन का उल्लेख मिलता है। यहाँ के शास्त्र भण्डार में सबसे प्राचीन जैन ज्योतिष की पांडुलिपि है। इसमें हस्तलिखित अनेक चित्रित पांडुलिपियाँ है। जैन शास्त्रों में मुख्यतः तत्त्वार्थ सूत्र ,नीलकंठ ज्योतिष धर्म परीक्षा, बनारसी विलास,भक्तामर स्तोत्र ,चरित्रसार , रत्नकरंडक श्रावकाधार, भक्तभंजन कल्पद्रुम स्त्रोत प्रमुख हैं।

स्थापत्य और कला

मंदिर का उत्तुंग शिखर गुम्बदाकार है, जिसमें मुगल स्थापत्य कला की झलक मिलती है, जबकि भीतर राजपूत और गुर्जर प्रतिहार शैली का अद्भुत संगम दिखाई देता है। मुख्य द्वार और वेदियों पर तक्षण कला के साक्ष्य अब भी शेष हैं।

साहित्यिक और ऐतिहासिक धरोहर

जीर्णोद्धार के दौरान अनेक प्राचीन हस्तलिखित पांडुलिपियाँ प्राप्त हुई, जिनके संरक्षण और शोध से इस क्षेत्र का इतिहास और समृद्ध किया जा सकता है।यह सभी पाण्डुलिपियाँ अब नव निर्मित जिनवाणी वेदी में स्थापित होने जा रही है

सामाजिक और धार्मिक महत्व

यह क्षेत्र प्राचीन काल में पंचायती मंदिर के रूप में प्रसिद्ध था, जहाँ दीन के दयाल जी कर दो निहाल जी का जयकारा गूंजता था। यहाँ के अतिशय और दिव्य अनुभूतियाँ आज भी श्रद्धालुओं को अद्भुत शांति और शुद्धता का अनुभव कराती हैं।

जीर्णोद्धार और संरक्षण

पिछले सौ वर्षो में उपेक्षित रहे इस क्षेत्र का हाल का जीर्णोद्धार वास्तु दोष निवारण सहित किया गया है, जिससे यह फिर से अपने ऐतिहासिक गौरव को प्राप्त कर रहा है।

#BPBMEDIA_AGRA_8899344441

तब

अब

अति प्राचीन श्री मुनिसुव्रतनाथ अतिशय क्षेत्र हस्तेड़ा में जीर्णोद्धार के समय प्राप्त अति प्राचीन पवित्र ग्रंथों का संरक्षण, संवर्धन और जीर्णोद्धार का दुर्लभ कार्य सानंद संपन्न हो गया है। इन पवित्र ग्रंथों को नवनिर्मित आगम- परमागम मंदिर में स्थापना का आनंद मय उत्सव श्रुत पंचमी के दिन डॉ अशोक जैन शास्त्री, दिल्ली के सानिध्य में आयोजित किया जा रहा है।

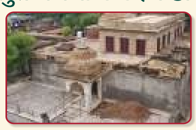

कार्यक्रम
31 मई, शनिवार 2025

प्रातः 7:00 बजे श्री जी अभिषेक एवं शांतिधारा

प्रातः 8:00 से 10:30 बजे तक पूजन तथा श्रुतपंचमी पूजन विधान

प्रातः- 10:30 बजे आगम-परमागम मंदिर जी में जिनवाणी स्थापना का महोत्सव

प्रातः- 11:15 बजे वात्सल्य भोजन

निवेदक :- प्रबन्धन कमिटी

अति प्राचीन मुनिसुव्रत नाथ अतिशय क्षेत्र हस्तेड़ा

संपर्क सूत्र : 09588020330, 90012 55955, 09811080808, 09784857991,

वेद ज्ञान

दुःख के कई कारण

दुख को जीवन का शाश्वत सत्य बताया गया है। सवाल यह है कि दुख का निवारण कैसे हो? इसकी खोज में अनंत काल से मनीषियों ने अपना जीवन अर्पित किया और पाया कि दुख का कारण है और इसका निवारण भी है। दुख के कई कारण हैं। सबसे बड़ा कारण है चाह, इच्छा या कामना। चाह का न होना और अनचाहे का हो जाना दुख का मूल कारण है। हम जन्म से ही कुछ न कुछ चाहते हैं और चाह की पूर्ति न होने पर हम दुखी होते हैं। दुख का दूसरा कारण है, हमारा शरीर जो रोगों का भंडार है। शरीर के धारण करते ही रोग व पीड़ा का जन्म हो जाता है। कई बच्चे तो जन्मते ही रोग के शिकार हो जाते हैं। कई रोगों पर तो नियंत्रण हो चुका है, परंतु अभी अनेक रोग लाइलाज हैं। वृद्धावस्था में कुछ ज्यादा ही रोग उत्पन्न होते हैं। रोग से उत्पन्न पीड़ा व रोग के उपचार के खर्च से रोगी और परिजन दोनों दुखी रहते हैं। चाह का बदला रूप है आकांक्षा। हम जीवन में ऊंचा पद, यश और कीर्ति चाहते हैं। आकांक्षा प्रगति या विकास की जननी है, परंतु दुख का मूल भी है। आकांक्षा अपने आप में बुरी नहीं है, परंतु जब यह ममत्व व संग्रह की प्रवृत्ति से जुड़ जाती है तो यह न केवल स्वयं के लिए दुख का कारण बनती है, बल्कि पूरे समाज में विग्रह और विषमता का कारण भी बनती है। आकांक्षा जन्म देती है अहं और लोभ को। अहं से पैदा होता है क्रोध और संघर्ष। विजयी बनने की आकांक्षा उचित-अनुचित की सीमा समाप्त कर देती है। संघर्ष जब हिंसात्मक हो जाता है तब मूक वर्ग (जिसमें गरीब समाज भी शामिल है) हिंसा के शिकार बनते हैं, भोग-उपभोग के साधन बनते हैं, शासित व दमित होते हैं। सामाजिक व आर्थिक व्यवस्था का आधार शोषण होने से व्यक्ति चाहकर भी शोषण के जाल से मुक्त नहीं हो पाता। जिनका साधनों पर कब्जा है, उन्हें रोटी, कपड़ा, मकान की चिंता नहीं है, परंतु मजदूर और साधनहीन को तो सुबह होते ही मजदूरी पर जाना है। साधनों की प्रचुरता के बावजूद अनेक लोग सुखी महसूस न करने पर आनंद की खोज में अन्यत्र भटकते हैं। कुछ लोग यश-कीर्ति में आनंद खोजते हैं। जो इसमें भी सुखी नहीं होते, वे अंतस की खोज प्रारंभ कर अध्यात्म में रमण करते हैं, परंतु ऐसे लोगों की संख्या बहुत कम है, जो अध्यात्म में सही जगह पर पहुंच जाएं।

संपादकीय

न्यायपालिका में लंबित मामलों की बढ़ती संख्या

भारत के प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई ने न्यायपालिका में लंबित मामलों की बढ़ती संख्या पर उचित ही अपनी निराशा व्यक्त की है। हालांकि, उन्होंने बचाव करते हुए यह भी कहा है कि शीर्ष न्यायाधीशों द्वारा छुट्टियों में भी काम करने के बावजूद न्यायिक कार्यवाही में देरी का दोष अक्सर न्याय-व्यवस्था पर डाल दिया जाता है। वाकई लंबित मामलों की बढ़ती संख्या को पूरी संवेदना और समझ के साथ देखना चाहिए। भारतीय अदालतों में 5.20 करोड़ से ज्यादा मामले लंबित हैं। अकेले सर्वोच्च न्यायालय में 80 हजार से ज्यादा मामले लंबित बताए जाते हैं। उच्च न्यायालयों में भी बुरा हाल है। मिसाल के लिए, इलाहाबाद उच्च न्यायालय में 11 लाख से ज्यादा मामले लंबित हैं। वहां तीन लाख से ज्यादा मामले तो ऐसे हैं, जो बीस साल से लंबित हैं। देश की अदालतें बहुत प्रयास के बावजूद लंबित मामलों की संख्या बढ़ती जा रही है। इसका एक पहलू यह भी है कि देश में जागरूकता बढ़ और लोगों ने अपने हक के लिए लड़ना तेज कर दिया है। मामले तो बढ़ते जाएंगे, लेकिन मामलों को ज्यादा समय तक लंबित रहने से बचाना होगा। कहा भी जाता है कि इंसाफ में देरी नाइंसाफी के समान है। नए प्रधान न्यायाधीश की बातों से उम्मीद जगती है। उन्होंने मुकदमों में बार-बार स्थगन की मांग करने और मुकदमों की सुनवाई में देरी में योगदान के लिए कुछ वकीलों की आलोचना भी की है। यह बात सही है कि कई वकील ऐसे होते हैं, जो अपने आर्थिक फायदे या अपनी या अपने मुवक्किल की कमियों को छिपाने के लिए तारीख पर तारीख लिए चले जाते हैं। अनेक वकीलों की यह कोशिश होती है कि किसी मुकदमे में ढंग से सुनवाई न शुरू हो पाए। जहां तक संभव हो, वहां तक समय बर्बाद करने का काम भी धड़ल्ले से होता है। सामान्य धोखाधड़ी के मामलों में भी सुनवाई और सजा का इंतजार करते कई वर्ष बीत जाते हैं। प्रधान न्यायाधीश की उंगली वाकई न्यायपालिका की एक दुखती रग पर पड़ी है, तो यह उम्मीद करनी चाहिए कि वह वकील समाज को त्वरित न्याय के लिए प्रेरित करेंगे। त्वरित न्याय सुनिश्चित करना जरूरी है, ताकि देश की व्यवस्था और विकास में तेजी आ सके। भारत की न्याय व्यवस्था ज्यादा समय तक लंबित मामलों के विशाल बैकलॉग से ग्रस्त नहीं रह सकती। यह किसी रोग की तरह है, इसका पुख्ता इलाज होना चाहिए। यह मुद्दा देश में सबसे अधिक दबाव वाली चिंताओं में से एक बन गया है, क्योंकि बादी अपने मामलों की सुनवाई के लिए वर्षों इंतजार करते रहते हैं। कई मामलों में न्याय मांगने में एकाधिक पीढ़ियां खर्च हो जाती हैं। प्रधान न्यायाधीश के इस उद्गार पर अवश्य गौर करना चाहिए कि शीर्ष पांच न्यायाधीश बढ़ते मामलों को संभालने के लिए अपनी छुट्टियों के दौरान भी काम करते हैं, फिर भी उन्हें देरी के लिए दोषी ठहराया जाता है। बेशक, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने व्यक्तिगत स्तर पर सुधार लाने की कोशिश की है और उनकी प्रशंसा होनी चाहिए। **-राकेश जैन गोदिका**

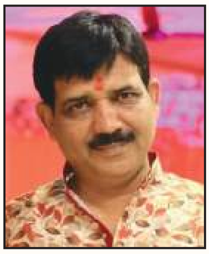

परिदृश्य

माओवाद पर प्रहार

छत्तीसगढ़ में अबूझमाड़ के जंगलों में डेढ़ करोड़ के इनामी बसव राजू समेत दो दर्जन से अधिक माओवादियों को मार गिराया जाना सुरक्षा बलों के लिए एक निर्णायक प्रतीत होने वाली बड़ी सफलता है। बसव राजू जितना कुख्यात था, उतना ही दुष्ट-दरिंदा भी। वह गुरिल्ला शैली के हमलों के लिए जाना जाता था। उसने इसके लिए विशेष प्रशिक्षण लिया था। उसके कारण सुरक्षा बलों के तमाम जवानों ने आंतरिक सुरक्षा के सबसे बड़े खतरे का सामना करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। गत दिवस भी मुठभेड़ में डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड का एक जवान बलिदान हुआ। पिछले कुछ समय में कई कुख्यात माओवादी सरगना मारे गए हैं। यदि बचे-खुचे माओवादी हथियार नहीं डालते तो उनके प्रति किसी तरह की नरमी नहीं दिखाई जानी चाहिए। उनकी रीढ़ तोड़ने के प्रति संकल्पबद्ध रहा जाना चाहिए। यह संकल्पबद्धता केंद्र और छत्तीसगढ़ सरकार की तरह अन्य राज्य सरकारों को भी दिखानी होगी। यह इसलिए आवश्यक है, क्योंकि अतीत में कुछ राज्यों ने माओवादियों से कड़ाई से निपटने में सुस्ती दिखाई। यह सुस्ती तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के यह कहने के बाद भी दिखाई गई कि माओवादी आतंक आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया है। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि एक समय माओवादियों के सफाया अभियान से किस तरह कुछ नेताओं ने असहमति जताई। कुछ तो चुनावी लाभ के लिए उन्हें राजनीतिक संरक्षण देते भी दिखे। इसका परिणाम यह हुआ कि उनके खात्मे का अभियान गति नहीं पकड़ सका और वे एक राज्य से दूसरे राज्य में छिपकर खुद को संगठित करते रहे। यह सराहनीय है कि वर्तमान केंद्रीय गृहमंत्री अगले वर्ष मार्च तक माओवाद के खात्मे को प्रतिबद्ध हैं। इसी कारण ऑपरेशन सिंदूर के समय भी माओवादियों पर प्रहार जारी रहे। पिछले एक वर्ष में नक्सली कहे जाने वाले माओवादी बड़ी संख्या में मारे गए हैं। सुरक्षा बलों के दबाव के कारण कई माओवादियों ने आत्मसमर्पण भी किया है। यह दबाव कायम रहना चाहिए। वे फिर सिर न उठाने पाएं। माओवादी जिस विषैली विचारधारा से लैस हैं, वह बंदूक के बल पर सत्ता छीनने में यकीन रखती है। इसी कारण माओवादी न तो लोकतंत्र मानते हैं और न ही संविधान। वे यह मुगालता पाले हैं कि एक दिन शासन, प्रशासन, न्याय व्यवस्था आदि को पंगु करके भारत पर काबिज हो जाएंगे। यह हैरानी की बात है कि इसके बाद भी कुछ नकली प्रगतिशील एवं छद्म मानवतावादी माओवादियों से हमदर्दी रखते हैं और उन्हें वैचारिक समर्थन देते हैं। अर्बन नक्सल कहे जाने वाले ऐसे तत्वों से सतर्क रहने के साथ यह समझा जाना चाहिए कि माओवादी जिन गरीबों, वंचितों के हित की फर्जी आड़ लेते हैं, उनके शत्रु ही हैं।

।। श्री चन्द्रप्रभ जिनेन्द्राय नमः ।।
।। श्री नेमीनाथाय नमः ।।
।। श्री शान्तिनाथाय नमः ।।
जिनेन्द्र सोशयल ग्रुप
Better together
पहलगाम, कश्मीर में हुए आतंकी हमले में वीरगति को प्राप्त हमारे निर्दोष पर्यटकों की आत्माओं की शांति हेतु
शान्ति विधान
रविवार, 25 मई, 2025
विधान सान्निध्य
जय कुमार जी गोधा
संगीतकार
गौरव पाटनी
स्थान : अतिशय क्षेत्र लूणवां
दीपप्रज्वलनकर्ता परिवार
श्री माणकचंदजी राकेशजी भव्य जी काला परिवार कुचामन सिटी
चित्र अनावरणकर्ता परिवार
श्री अमरचंदजी प्रवीणजी सेठी परिवार दाता
कार्यक्रम
प्रातः 7:00 बजे : बस द्वारा मंगलम सिटी से लूणवां के लिए प्रस्थान
सुबह 9:00 बजे : चित्रअनावरण
सुबह 9:15 बजे : दीपप्रज्वलन
सुबह 9:30 से : विधान प्रारम्भ
मध्यान्ह 12:45 बजे : स्नेह भोज
दोपहर 1:30 बजे : वापसी के लिए प्रस्थान
प्रतिभा सम्मान
By God Grace and hard work done Anshika Jain got score in 99.2% in CBSE Xth Board 2025
सौधर्म इन्द्र
माणकचंद जी-चंदादेवी काला
कुबेर इन्द्र
सुरेंद्र जी-संतोष देवी सेठी
इन्द्र
विनोद जी-ममता जी रांवका
इन्द्र
नेमीचंद जी-बीना जी काला
इन्द्र
रमेश जी -हेमा जी पाटोदी
इन्द्र
सुरेश जी-इन्द्रा जी विनायक्या
पूजन सामग्री पुण्यार्जक
श्री नथमल जी सौभागमल जी गंगवाल कुचामन सिटी
श्री शौभागमल जी शांतिलाल जी श्री जीतेन्द्र जी लुहाड़िया पदमपुरा कुचामन सिटी
श्री सुशील जी कविश जी बड़जात्या जोबनेर
भोजन पुण्यार्जक
श्री स्वरूप चंद जी रूपचंद जी रमेश जी पाटोदी परिवार मिठड़ी वाले
श्री नेमीचंद जी राहुल जी शाह परिवार मारोठ
श्री भंवरलाल जी राजेश जी रोहित जी सौगानी परिवार चितावा
कार्यक्रम संयोजक
राकेश-समता काला
अंकुर-शिखा जैन
आशीष-रेणु जैन
रवि-पिंकी गोधा
मनोज-पायल पाटनी
अरिहन्त-नेहा विनायक्या
अमित-पायल शाह
नितिन-रश्मि छाबड़ा
नवरत्न-सोनिया सेठी
अरविन्द-सीमा छाबड़ा
रोहित-विनीता सौगाणी
शुभम-स्वाति रांवका
बस की व्यवस्था
श्रीमती मैनादेवी
मनोज जी पायल जी
हैती पाटनी
सुखालपुरा, जोबनेर वाले
पत्रिका पुण्यार्जक
रूबी जी आयुषी जी
अतिशय जी
मंगलम आशियाना
सम्पर्क सूत्र : 83029 29543, 9413 65 66 67

देशावधि, परमावधि, सर्वावधि है, गुण प्रत्यय अवधि ज्ञान के तीन भेद-तत्वार्थ सूत्र (गाथा-22)

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी - ज्योतिनगर जैन मंदिर में चल रहे श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर में सातवे दिन स्वाध्यायी विद्यार्थियों को तत्वार्थ सूत्र की 22वी गाथा समझायी गयी। विदुषी प्रियंका द्वारा बोर्ड पर लिख कर वृहत रूप से अर्थ बताया गया की जो अवधि ज्ञान सूर्य के भांति दुसरे भवों या क्षेत्रों में जीव के साथ बना रहे वह क्रमशः भवानुगामी और क्षेत्रानुगामी अवधिज्ञान है ।अवधि ज्ञान -जो द्रव्य ,क्षेत्र काल और भाव की अपेक्षा अर्थात सीमा से युक्त अपने विषयभूत रुपी पदार्थ के ज्ञान को जाने वह अवधि ज्ञान है ! गुण प्रत्यय अवधि ज्ञान के ३ भेद देशावधि, परमावधि, सर्वावधि है तथा देशावधि के भेद अनुगामी , अननुगामी, वर्धमान, हीयमान, अवस्थित, अनवस्थित छ भेद है ! प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि इससे पूर्व प्रियंका बाकलीवाल व दीपा पाटनी द्वारा प्राकृत मंगलाचरण किया गया तथा वरिष्ठ सदस्य सरोज देवी पाटनी परिवार ने दीप प्रज्वलन किया ।इधर मनीष सेठी परिवार प्रभावना के पुण्यार्जक रहे । राजेन्द्र ठोलिया, मिश्री लाल काला ,सुलोचना पाटनी व रूबल शाह ने बताया कि 26 मई सोमवार को प्रातः शिविरार्थियों के लिए पारिवारिक पूजन का कार्यक्रम रखा गया है ।

तैरहवें तीर्थंकर भगवान विमलनाथ का मनाया गर्भ महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक

भगवान विमल नाथ ने अपने संदेशों में बताया कि भौतिक वस्तुओं और संस्कारिक सुखों में आसक्ति से मुक्ति नहीं मिलती आत्मज्ञान ही मुक्ति का मार्ग है

फागी कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाडा, चोरू, नारेड़ा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेडा, लसाडिया तथा लदाना सहित कस्बे के जिनालयों मे जैन धर्म के तैरहवें तीर्थंकर भगवान विमल नाथ का गर्भ कल्याण महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने बताया कि कस्बे के मुनि सुव्रतनाथ जिनालय में प्रातः श्री जी का अभिषेक करने के बाद समाज की ओर से सामूहिक शांतिधारा कर अष्टद्रव्यों से पूजा अर्चना कर विभिन्न तीर्थंकरों के अर्घ्य अर्पित किए,कार्यक्रम में आचार्य वर्धमान सागर महाराज, आचार्य इन्द्रनंदी जी महाराज, आचार्य विशुद्ध सागर महाराज,गणिनी आर्यिका विशुद्ध मति माताजी,श्रुतमति माताजी, सुबोध मति माताजी, आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी एवं जिनवाणी माता के अर्घ्य अर्पित करने के बाद जैन धर्म के 13वें तीर्थंकर भगवान विमलनाथ का गर्भ कल्याणक महोत्सव का जयकारों के साथ सामूहिक रूप से अर्घ्य अर्पित किया, कार्यक्रम में संतरा झंडा एवं कमला कासलीवाल ने बताया कि भगवान विमल नाथ जैन धर्म के 13 तीर्थंकरथे , उनका जन्म काम्पिल्य में राजा कृतवर्मा और रानी श्यामा देवी के घर हुआ था, उनका चिन्ह सूअर है, कार्यक्रम में शोभा झंडा एवं गुणमाला झंडा ने बताया कि विमल नाथ भगवान ने दुनिया को सम्यक दर्शन और सही आचरण का संदेश दिया था उन्होंने अपने अनुयायियों को सही सोच, सही कार्य, सही आचरण के महत्व पर जोर दिया ताकि वे मोक्ष प्राप्त कर सकें, कार्यक्रम में सोभाग मल सिंघल एवं महावीर मोदी ने बताया कि भगवान विमल नाथ ने अपने संदेशों में बताया कि भोतिक वस्तुओं और संस्कारिक सुखों में आसक्ति से मुक्ति नहीं मिलती, उन्होंने कहा कि आत्मज्ञान ही मुक्ति का मार्ग है, संस्कारिक मोह और माया से उपर उठकर आत्मा की शुद्धता और आत्मज्ञान प्राप्त करना ही मुक्ति का मार्ग है तभी मोक्ष की प्राप्ति होगी ।कार्यक्रम में वयोवृद्ध कपूरचंद नला,मोहनलाल झंडा ,भागचंद जैन टीबा ,कैलाश कासलीवाल सौभागमल सिंघल , रमेश बजाज,पारस चोधरी, प्रेमचंद कठमाना, महेंद्र गोधा, महावीर बजाज, हनुमान कलवाड़ा,महावीर मोदी,पदम टीबा,कमलेश चोधरी, भाविक कासलीवाल,राजाबाबू गोधा तथा, संतरा झंडा,कमला कासलीवाल, शोभा झंडा,रेखा झंडा,संगीता डेठानी, मंजू झंडा, पर्युषणा झंडा, ललिता कलवाड़ा, मीनाक्षी मोदी, गुणमाला झंडा,पिंकी मोदी, सुशीला झंडा एवं रिया जैन सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मौजूद थे।

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

हरिद्वार. शाबाश इंडिया

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज की उत्तराखण्ड के बद्रिनाथ से हरिद्वार तरुणसागरम अहिंसा संस्कार पदयात्रा चल रही है। आज हरिद्वार में तरुण सागरम तीर्थ अहिंसा संस्कार पद यात्रा पतंजलि योग पीठ आश्रम हरिद्वार उत्तराखंड एक साथ आये पतंजलि योग पीठ के संस्थापक स्वामी रामदेव एवं आचार्य बालकृष्ण जी ओर फिर क्या बोले आचार्य गुरुदेव अंतर्मना के लिए उभय मासोपवासी साधना महोदधि प.पू. अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागर जी महाराज उपाध्याय श्री 108 पियूष सागर जी महाराज जर्स कंट्री दा बर्धमान डेवलपर्स हरिद्वार उत्तराखंड प्रातः पूजन दीप आराधना हुई संपन्न। तेलांगना कुलचाराम अतिशय क्षेत्र पारसनाथ से बद्रीनाथ-बद्रीनाथ से ऋषिकेश-हरिद्वार,और हर की पैडी से पतंजलि होते हुए तरूण सागरम तीर्थ 27 जून को सुबह मंगल प्रवेश।जर्स कंट्री दा बर्धमान डेवलपर्स हरिद्वार उत्तराखंड आयुर्वेद केन्द्र पतंजलि योगपीठ से

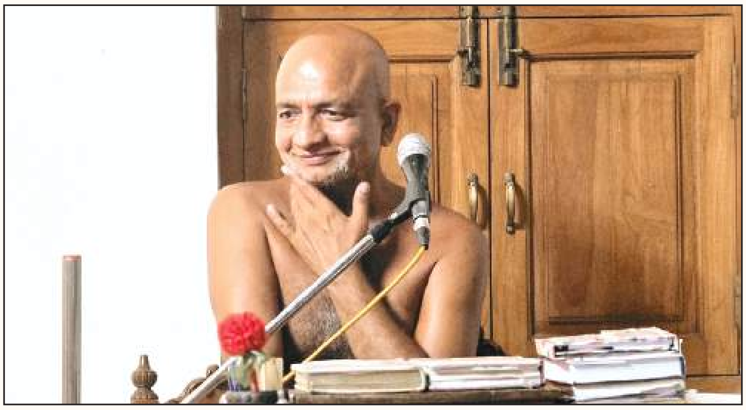

स्वामी बाबा रामदेव जी एवं आचार्य बालकृष्ण जी आचार्य गुरुदेव अंतर्मना प्रसन्न सागर ससंघ कि अगवानी कर दर्शन प्राप्त किये जर्स कंट्री दा बर्धमान डेवलपर्स हरिद्वार उत्तराखंड अंतर्मना गुरुभक्त परिवार के द्वारा अष्टद्रव के सहित रूप से संपन्न हुई गुरुपूजन योग ऋषि स्वामी रामदेव आश्रम हरिद्वार उत्तराखंड* संपन्न संध्या गुरुभाक्ति प्रवचन मंगल आरती 22/05/2025 पतंजलि योग पीठ हरिद्वार उत्तराखंड में आहारचर्यासम्पन्न हुई उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि दुश्मनी को मिटाने का छोटा सा फामूर्ला अपनाइये.. प्लीज दुश्मन को देखकर एक बार मुस्कुराइये..!बैर कब तक है? - जब तक दो दुश्मन एक दूसरे को देखकर मुस्कुराते नहीं है। जिस दिन एक दूसरे को देखकर मुस्कुरा देंगे, उसी दिन बैर का विनाश हो जायेगा। हँसना मुस्कुराना सिर्फ मनुष्य की नियति में है। हँसना मुस्कुराना सबकी किस्मत में नहीं होता। जो ईर्ष्या, द्वेष, क्लेश से दूर है वो ही हँसने मुस्कुराने का आनंद ले सकते हैं। मनुष्य जन्म लेता है, तब सारी दुनिया हँसती है, वह रोता है,, लेकिन अब हम ऐसा कर्म करें, सत्कर्म करें कि जब हम मरे तो सारी दुनिया रोए और हम हँसे। हँसना मुस्कुराना भी कला है। किसी को जीतना है तो तलवार से नहीं प्यार से जीतो, प्रेम से जीतना सीखो, प्रेम से जीता व्यक्ति कभी तुमसे अलग नहीं हो सकता। तलवार से जीता व्यक्ति तो कालांतर में सबल हो सकता है।हँसने मुस्कुराने में तो कुछ जाता भी तो नहीं है। रोते हैं तो आंसू जाते हैं, मुस्कुराने में तो वो भी नहीं जाते।हम कठोर से कठोर परिस्थितियों में भी हँसना मुस्कुराना सीखें।जब आप हँसते, मुस्कुराते हैं तो सब आपके साथ होते हैं। लेकिन जब आप रोते हैं, तो अपने भी साथ छोड़ देते हैं। इसलिए --हम हमेशा अपने चेहरे पर मधुर मुस्कान को रखें..परन्तु नेताओं जैसी नहीं सन्त शिशुओं जैसी...!!!

नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल
औरंगाबाद

मेडिसिन फ्री जीवन: सुलेखा जी शाह के साथ

जयपुर. शाबाश इंडिया। भगवान महावीर कैंसर केयर सभागार में एक सत्र में, जहाँ सुलेखा शाह ने बताया कि कैसे आप बिना दवाइयों के स्वास्थ्यपूर्ण जीवन जी सकते हैं – केवल पट्टी के नियमित उपयोग से आप अपनी सभी दवाइयों से छुटकारा पा सकते है। 100% कॉटन पट्टी को सुबह खाली पेट नॉर्मल पानी में गिला कर के निचोड़ कर पेट गला एवं सिर पर लगाए 30 मिनिट के लिए पट्टी लगाए हुए आप सभी कार्य कर सकते है सिर्फ उस अवधि में कुछ खाना पीना नहीं है, शरीर की प्राकृतिक चिकित्सा प्रक्रिया को बढ़ावा, पेट की सूजन, पाचन समस्याओं व अन्य तकलीफों में राहत और अपने जीवन में 'सकारात्मक' बदलाव की ओर पहला कदम बढ़ाइए। सभा में अनिला कोठारी सुनीता - अशोक गहलोत, आशा काला एवं सभी कैंसर केयर की मेंबर्स ने भाग लिया।

रक्तदान शिविर एवं निःशुल्क चिकित्सा शिविर के पोस्टर का हुआ विमोचन संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

चांदवाड़ परिवार, जयपुर द्वारा आगामी 27 जुलाई 2025, रविवार को आयोजित मानव सेवार्थ विशाल रक्तदान एवं निःशुल्क चिकित्सा शिविर के पोस्टर का विमोचन समाजसेवी एवं परिवार के वरिष्ठ सदस्य अशोक-शकुंतला चांदवाड़ परिवार द्वारा किया गया। कैंप के मुख्य संयोजक प्रदीप चांदवाड़ एवं विशुतोष चाँदवाड़ ने बताया कि मानव सेवार्थ विशाल रक्तदान एवं निःशुल्क चिकित्सा शिविर महावीर स्कूल परिसर मे लगाया जायेगा जिसमें 2100 यूनिट ब्लड यूनिट एकत्रित करने का लक्ष्य रखा है। इस मोके पर परिवार के प्रदीप - मीना, विशुतोष - नीति, अनिल- अलका, प्रधुमन, राकेश, अनिल टी., अंकित- प्रियंका, संजय, अमित, नितिन, रौनक, रवि - रीमा, हर्षल चाँदवाड़, अतुल, अंकुर, एवं अन्य परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

आधुनिक संस्कृति के आधुनिक संस्कार : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

पुष्पगिरी, इंदौर. शाबाश इंडिया

भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ का पुष्पगिरी से मंगल विहार हुआ। आज की आहारचर्या सोनकच्छ में सम्पन्न हुई। आज का रात्रि विश्राम सेठी फार्म हाउस पर होगा। 23 मई 2025 की आहारचर्या मेहतवारा में होगी। पूज्य माताजी ने सोनकच्छ समाज में उपस्थित धर्म स्नेही बंधुओं को धर्म का बोध कराते हुए कहा कि - आज की आधुनिक अंधादौड में बच्चे संस्कार व संस्कृति को भूलते जा रहे हैं। उनमें धर्म का अंश कही भी दिखाई नहीं देता। पुराने समय में बच्चा यदि रोता था तो माता - पिता उन्हें णमोकार सुनाते थे और बच्चा रोये नहीं इसलिए मां - बाप उन्हें मोबाइल पकडा देते हैं। माताजी ने अपने बचपन के उदाहरण के माध्यम से समझाया पहले हम मंदिर नहीं जाते थे तो मां देवदर्शन के बिना खाना नहीं देती थी और आज बच्चे बिना मंदिर जाये तो क्या बिना नहाये खाना - पीना करने लगे हैं। बच्चों को लौकिक शिक्षा तो आप विदेशों की दिलवा ही रहे हैं साथ में संस्कार भी विदेशों के ही दे रहे हैं। बच्चों को हम जैसे संस्कार देंगे वैसे ही वो ग्रहण करेंगे। लेकिन उसके पहले जरुरत है हमें सबसे पहले स्वयं को बदलना पडेगा जैसे हम संस्कारित रहेंगे वैसे ही बच्चों पर प्रभाव पड़ेगा।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादक: राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

इंदौर के स्कीम 78 में भगवान पार्श्वनाथ का हुआ प्रथम बार बीजामंत्रों से मस्तकाभिषेक

रत्नेश जैन रागी बकस्वाहा

इंदौर। परमपूज्य संतशिरोमणी आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनिराज एवं आचार्य श्री समय सागर जी महामुनिराज के परमशिष्य मुनि श्री निष्पक्ष सागर जी , मुनि श्री निष्पृह सागर जी महाराज के परम सानिध्य में गुरुवार को 108 बीजामंत्रों से चैतन्य चमत्कारिक विधिनायक एवं मूलनायक भगवान चिन्तामणी पार्श्वनाथ भगवान का मस्तकाभिषेक और वृहद शांतिधारा का सौभाग्य सैकड़ों श्रद्धालुओं को प्राप्त हुआ। इस मौके पर प्रथम शांतिधारा का सौभाग्य विकास जैन खटइ परिवार, द्वितीय सुधीर विलाला, तीसरी योगेश जैन और चतुर्थ मनोज जैन, इसी प्रकार प्रथम कलश मस्तकाभिषेक श्रीमती आशारानी महेंद्र कुमार पांड्या,द्वितीय कलश राजेश जैन फार्चुन, संदीप जैन मोर्या सरिया,मनीष जैन, जैन पम्प को सौभाग्य प्राप्त हुआ। 5 रिध्दी मंत्र स्थापितकर्ता बांझल जी, शैलेन्द्र जैन ,राहूल खुशवू मोदी, मनीष जैन, विकास जैन ने मस्तकाभिषेक किया। साथ ही 108 मंत्रों पर एकबार में तीन तीन व्यक्तियों ने अभिषेक का सौभाग्य प्राप्त किया। गुरूदेव ने प्रवचनों में बताया कि यह रिध्दीमंत्र आपके जीवन में अनेकों प्रभाव डालते है और आप प्रत्येक वर्ष बार्षिक कार्यक्रम मनाऐं जिसमें साधु प्रमेष्ठी का सानिध्य होना ही चाहिए। यह प्रतिमा बहुत ही चैतन्य और चमत्कारिक है जिसके दर्शन के लिए आप सभी समाजजन निमित बने। आपने वर्षाजल के संरक्षण की व्यवस्था करने को कहां और यह कार्य आज से ही प्रारंभ करो। इंदौर महानगर के स्कीम 78 के साथ ही 54, 74, 114, 136, 114 पार्ट द्वितीय , शालीमार सहित इंदौर की अनेक कालोनियों के परिवार श्राविकों ने बार्षिक महोत्सव में शामिल होकर गुरुदेव के प्रवचनों के साथ साथ अभिषेक शांतिधारा का लाभ उठाया। अतिथि के रूप में कैलाश वेद, सचिन जैन, अनिल जैनको, राजेन्द्र जैन वास्तु, सुधीर सेठी, सुधीर विलाला, संदीप जैन, मोर्या सहित अनेकों समाजजन शामिल हुए। कार्यक्रम का सफल संचालन डीके जैन ने किया आभार महेन्द जैन ने माना। रिपोर्ट: **वरिष्ठ पत्रकार राजेश रागी रत्नेश जैन रागी बकस्वाहा**

समाज को संगठित रहकर धर्म प्रभावना करना चाहिए: आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

सिंगोली मध्यप्रदेश. शाबाश इंडिया

मंदिर में जो परंपरा विद्यमान है उसे बनाकर रखना चाहिए पुरानी आगम परंपरा को हटाकर नई व्यवस्था करना आगम के अनुरूप नहीं है इससे समाज खंडित होता है वर्तमान में समाज को संगठित होना जरूरी है समाज के संगठन से धर्म की प्रभावना होती है ,मंदिर का विकास सभी के सामूहिक प्रयासों से होता है। भगवान के जिनालय में पूजन भक्ति कर मनुष्य जीवन को सफल बनाना चाहिए। मंदिर में जो अभिषेक एवं पूर्व से विराजित शासन देवी देवताओं को हटाना गलत है जो व्यवस्था पूर्व से चल रही उसे बदलना आगम अनुसार नहीं है । उनका अनादर नहीं होना चाहिए । यह मंगल देशना पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने सिंगोली नगर प्रवेश पर आयोजित धर्म सभा में प्रगट की। राजेश पंचोलिया अनुसारआचार्य श्री ने उपदेश में आगे बताया कि प्रथमाचार्य श्री शांति सागर जी ने कर्नाटक महाराष्ट्र से उत्तर भारत सिद्धक्षेत्र सम्मेदशिखर जी के लिए विहार किया तब भी नर नारी के अभिषेक पूजन के लिए चैत्यालय साथ में रहता था तब से वर्तमान तक यह परम्परा चल रही हैं।आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज ने दिगंबर जिनालयों के संरक्षण के लिए 1105 दिन से अधिक का अन्न आहार त्याग किया।जिनवाणी को भी ताम्र पत्रों पर अंकित कराया। वर्तमान में जिनालयों का दर्शन पूजन उन्हीं के कारण स्वतंत्रता पूर्वक सुलभ है। इसके पूर्व आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश 22 मई गुरुवार को प्रातः काल नगर में हुआ।समाज के अध्यक्ष चांदमल बगड़ा मंत्री निर्मल खटोड़, एवं पारस से प्राप्त जानकारी के अनुसार आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज से ससंघ 36 मुनिराजो का नगर मे विशाल संघ के साथ वर्ष 1998 के बाद दुसरी बार नगर में मंगल पदार्पण हुआ है। नगर प्रवेश के दोरान समाजजनों ने जगह-जगह आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन आरती उतारी ,वही 108 थाली मे आचार्य श्री का समाजजनों ने पाद प्रक्षालन किया जो यादगार क्षण था आचार्य श्री संघ का मंगल प्रवेश जुलूस नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन पहुंचा जहा पर श्री जी के दर्शन किए व उसके बाद विद्यासागर सन्त निलय पहुंचें जहा पर धर्मसभा हुई सर्व प्रथम मंगलाचरण बालिका मण्डल द्वारा , आचार्य श्री शान्तिसागर जी महाराज के चित्र अनावरण समाज कार्यकारणी समिती सिंगोली व किशनगढ़ से पधारे समाजजनों द्वारा , दीप प्रज्वलन बिजोलिया समाजजनों ने , आचार्य का प्राद प्रक्षालन अनिल कुमार सामरिया परिवार झांतला व शास्त्र भेट कैलाशचन्द सौरभ कुमार बगड़ा द्वारा किया गया इस अवसर पर बोराव, धनगाव थडोद,किशनगढ़ झांतला ,बिजोलिया ,कोलकाता, विजयनगर, रावतभाटा बेगु आदि नगरो के समाजजन उपस्थित होकर नगर आगमन हेतु निवेदन किया।

गोमाता सेवार्थ ग्रुप दुर्गापुरा गौशाला, जयपुर

जय गोमाता - जय गोपाला

गौमाता सेवार्थ ग्रुप

दुर्गापुरा गौशाला, जयपुर

GIVE BLOOD GIVE LIFE

विशाल रक्तदान शिविर

रविवार, 1 जून 2025 - प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक

स्थानः दुर्गापुरा गौशाला, जयपुर

रक्तदान महादान

रक्तदान करके देखो अच्छा लगता है।

निवेदकः अशोक जैन

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ द्वारा भक्तामर अनुष्ठान का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

भक्तामर कार्यक्रम जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ के तत्वाधान मे दिनांक 21 मई 2025 को स्वर्गीय श्री प्रकाश चंद जी जैन मोजाबाद की पुण्य स्मृति में संजय संगीता जैन पूर्व अध्यक्ष के सहयोग से श्री मुनि सुब्रत नाथ दिगंबर जैन मंदिर मांगियावास में किया गया। ग्रुप के पुर्व अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक संजय जैन ने बताया कि मांग्यवास सकल जैन समाज और जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ के धर्म प्रेमी इस रंगारंग प्रोग्राम में शामिल हुए। जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ के अध्यक्ष सुनिल सोगानी ने बताया कार्यक्रम को संगीतकार साक्षी जैन ने बहुत सुंदर तरिके से सजाया। ग्रुप के सचिव अजय कुमार जैन ने बताया की ग्रुप के फाउंडर मनीष झांझरी पूर्व अध्यक्ष अभय जैन पूर्व अध्यक्ष राहुल जैन ग्रुप उपाध्यक्ष सुकेश काला कोषाध्यक्ष संजय गोधा और ग्रुप के बहुत से लोग शामिल हुए।

सम्यक ज्ञान ही मोक्ष का वास्तविक पथः ब्रह्मचारी भैयाजी

जैन मिलन स्वतंत्र एवं श्रमण संस्कृत संस्थान का संयुक्त आयोजन

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

डबरा। नगर के श्री1008 महावीर दिगंबर जैन मंदिर कसटम रोड डबरा में चल रहे तत्वार्थ सूत्र शिक्षण सत्र के अंतर्गत आज के दिन का आयोजन अत्यंत सारगर्भित एवं ज्ञानवर्धक रहा। जैन मिलन स्वतंत्र शाखा एवं श्रमण संस्कृत संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस सत्र में आज मुख्य वक्ता के रूप में अरचित भैया जी एवम अमन भैया जी ने सम्यक ज्ञान की महिमा को हृदयस्पर्शी रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा, सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चारित्र ये तीनों ही मोक्षमार्ग की अनिवार्य सीढ़ियाँ हैं, किंतु आज हमने सम्यक ज्ञान पर विशेष रूप से केंद्रित होकर चिंतन किया। उन्होंने बल देते हुए कहा कि ज्ञान सामान न आन जगत में सुख का कारण। अर्थात इस संसार में ज्ञान के समान दूसरा कोई सुखदायक साधन नहीं है। जब तक आत्मा को सही और सच्चा ज्ञान प्राप्त नहीं होता, तब तक मोक्ष का द्वार नहीं खुलता। ज्ञान के पाँच स्वरूपों मति ज्ञान, श्रुत ज्ञान, अवधि ज्ञान, मनःपर्यय ज्ञान और केवलज्ञान का विवेचन करते हुए उन्होंने समझाया कि हमें प्रतिदिन यह भावना करनी चाहिए कि हे प्रभु! हमें भी एक दिन केवलज्ञान की प्राप्ति हो। उन्होंने यह भी कहा कि सच्चा ज्ञान ही जीवन को दिशा देता है और अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। पंडित अर्चित भैया जी ने बच्चों को सच्चे देव, शास्त्र और गुरु की पहचान के विषय में बताया और स्पष्ट किया कि इन पर अडिग श्रद्धा रखना ही सम्यक दर्शन कहलाता है। उन्होंने कहा, इन तीन रत्नों की शरण में ही आत्मा की उन्नति संभव है। इसके अतिरिक्त उन्होंने बच्चों को पाँच इंद्रियों के विषयों के प्रति सचेत करते हुए कहा कि ये ही मोह का कारण बनकर आत्मा को संसार में भटकाते हैं। साथ ही उन्होंने पाँच महापापों हिंसा, असत्य, चोरी, कुशीलाचार और परिग्रह के घातक प्रभावों से अवगत कराया और बताया कि ये जीव को नरक, तिर्यंच जैसी दुर्गति की ओर ले जाते हैं, अतः इनसे बचना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम का समापन प्रार्थना और भावना पाठ के साथ हुआ। सभी प्रतिभागियों ने शांति एवं आत्मकल्याण की भावना के साथ सत्र का पूर्ण लाभ उठाया।

सेना के सम्मान में राष्ट्रभक्तों ने निकाली विशाल तिरंगा वाहन रैली

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। नसीराबाद शहर में सेना के शौर्य और पराक्रम को समर्पित ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाते हुए तिरंगा वाहन रैली का आयोजन नसीराबाद विधानसभा के सकल राष्ट्रभक्तों द्वारा किया गया। जिसमें नसीराबाद भारतीय जनता पार्टी भारत विकास परिषद रोटरी क्लब एवं कई सामाजिक संगठनों ने भाग लेकर सहयोग किया। तिरंगा यात्रा का मार्ग में कई जगहों पर पुष्प वर्षा एवं जलपान कर मुस्लिम समाज एवं कई सामाजिक संगठनों ने स्वागत एवं अभिनंदन किया। यात्रा में नसीराबाद विधानसभा एवं अजमेर जिले के कई पदाधिकारी ने शिरकत करी। रैली समापन के बाद शहीद स्मारक पर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। उपरोक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता नसीराबाद शहर भारतीय जनता पार्टी मंडल अध्यक्ष संजय यादव ने की, कार्यक्रम में अजमेर देहात जिला अध्यक्ष जीतमल प्रजापत, देहात युवा मोर्चा अध्यक्ष अर्जुन नालिया, देहात जिला मंत्री एडवोकेट हंसराज चौधरी, देहात जिला उपाध्यक्ष सुनीता यादव, ओबीसी मोर्चा प्रदेश मंत्री सुनीता चौधरी, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष मुकेश चौधरी, भवानी खेड़ा मंडल अध्यक्ष हीरा सिंह रावत, पूर्व जिला उप प्रमुख ताराचंद रावत, श्रीनगर मंडल अध्यक्ष राहुल रावत, नसीराबाद मंडल महामंत्री दिनेश बोहरा, एडवोकेट नितिन शर्मा, महेंद्र पथरिया। मंडल उपाध्यक्ष संदीप यादव, विनोद शर्मा, अनीता मित्तल, शंभू साहू, धनराज जाटोलिया। मंडल मंत्री सरोज बिस्सा, सतीश पारचे, भगवानदास दपक्यावर, प्रकाश शर्मा और अन्य सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तीर्थराज सम्मेद शिखरजी के लिए यात्रियों का दल हुआ रवाना

निवाई. शाबाश इंडिया

सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में तीर्थराज सम्मेद शिखरजी के लिए यात्रियों का दल रवाना हुआ। अखिल भारतीय जैन धर्म प्रचारक एवं मीडिया प्रभारी विमल जौंला ने बताया कि यात्रा दल में निवाई के अध्यक्ष हेमचंद संधी हर्षित संधी पवन जैन धुआं कला गोलू जैन शिल्पा जैन तुषिका जैन सहित कई श्रद्धालुओं ने श्री सुपार्श्वनाथ दिगम्बर जैन बिचला मंदिर से जैन समाज का एक शिष्ट मंडल भगवान शांतिनाथ एवं सुपार्श्वनाथ के दर्शन करके रवाना हुआ। इस दौरान जैन समाज अध्यक्ष नेमीचंद गंगवाल सरावगी समाज के अध्यक्ष शिखरचंद काला सरावगी समाज के प्रमुख उधोगपति अशोक कटारिया, युवा परिषद अध्यक्ष अशोक बिलाला, प्रवक्ता राकेश संधी समाजसेवी मूलचंद पांडया, त्रिलोक हरभगतपुरा, संजय सोगानी, नवरत्न टोंग्या, मुकेश संधी, अजीत काला, ज्ञानचंद जैन त्रिलोक बाकलीवाल रजवास, ने यात्रियों को शुभकामनाएं देकर रवाना किया। इस दौरान सभी यात्रियों ने सम्मेद शिखरजी के जयकारो के साथ रवाना हुए। विमल पाटनी हितेश छाबड़ा एवं राकेश संधी ने बताया कि यह यात्रा जत्था निवाई से झारखंड स्थित जैन धर्मावलंबियों के प्रमुख तीर्थ सम्मेद शिखरजी पहुंचेंगे वहां देश में सुख, समृद्धि और शांति की कामना के लिए वंदना की जाएगी। उन्होंने बताया कि सम्मेद शिखरजी मधुबन क्षेत्र मे भगवान शांतिनाथ जी के जन्म तप और मोक्ष कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में पूजा-अर्चना की जाएंगी एवं गाजे-बाजे के साथ भगवान शांतिनाथ के निर्वाण लाडू चढ़ाया जाएगा।

श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में त्रिशला संभाग दुर्गापुरा द्वारा ग्रीष्मकालीन धार्मिक शिक्षण शिविर का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला अंचल एवम बालिका श्रमण संस्कृति संस्थान के सानिध्य में श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में त्रिशला संभाग दुर्गापुरा द्वारा ग्रीष्मकालीन धार्मिक शिक्षण शिविर का आयोजन 16 में से 27 मई तक किया जा रहा है। त्रिशला संभाग कि अध्यक्ष श्रीमती चंदा सेठी एवं मंत्री रेनू पांड्या ने बताया कि राजस्थान महिला अंचल कि अध्यक्ष श्रीमती शालिनी बाकलीवाल, कोषाध्यक्ष विद्युत लुहाडीया एवं शिविर प्रभारी अंजना जैन ने दुगार्पुर में शिविर का निरीक्षण किया। शिविर का सुचारू रूप से संचालन देखकर आप सब बहुत प्रसन्न हुई।शिविर में बच्चों को प्रतिदिन पारितोषिक वितरण किया जाता है 22 मई को ललित अनीता अभिनव एवं अनुपम काला ने पारितोषिक वितरण किया। मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री प्रकाश जी चादवाड एवं मंत्री श्री राजेंद्र जी काला क संचालन में पूर्ण सहयोग रहता है। करीबन 105 विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। बालिका श्रवण संस्थान की विदुषि बालिकाएं बहुत ही अच्छा ज्ञान प्रदान कर रहे हैं।

अपना घर में निशक्तजनों को भोजन करवाया

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

आज दिनांक 22 मई गुरुवार को स्वर्गीय श्रीमती प्रीति देवी काला की पुण्य स्मृति में अपना घर में सभी प्रभु जी को प्रेम पूर्वक भोजन कराया। इस अवसर पर ललित जैन माणक चंद जैन नवीन काला, अनिल काला एवं दिव्यांश इशिका ज्ञानवी ने भोजन कराने में सहयोग किया । महावीर इंटरनेशनल के अध्यक्ष रामावतार गोयल सचिव अजीत पहाड़िया एवं कोषाध्यक्ष सुरेश गंगवाल और संदीप पहाड़िया उपस्थित रहे। वीर सुभाष पहाड़िया ने महावीर इंटरनेशनल की प्रेरणा से अपना घर में भोजन कराने पर धन्यवाद ज्ञापित किया।

वर्द्धमान इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन डिजाइनिंग एवं मेकअप आर्टिस्ट विभाग की छात्राओं ने मेट गाला लुक किया तैयार

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित वर्द्धमान इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन डिजाइनिंग एवं मेकअप आर्टिस्ट विभाग की छात्राओं ने मेट गाला लुक तैयार कर फैशन और कला को एक अनोखे अंदाज में एक साथ जोड़ा। उत्साही छात्राओं के रचनात्मक डिजाईन और मेकअप से परिसर आकर्षण से भर गया। छात्राओं ने द वाइट कारपेट ,मेस्सी डेविल थीम, वेलवेट वैनिटी, हेलिओस, अधीरा, प्रिटी पेटल्स थीम पे ड्रेस डिजाइन और मेकअप किया। कार्यक्रम में निर्णायक की भूमिका अकादमिक प्रभारी डॉ. नीलम लोढ़ा ने निभाते हुए प्रतिभागियों के कार्यों का सूझ-बूझ से मूल्यांकन करते हुए प्रथम स्थान अधीरा ग्रुप, द्वितीय स्थान मेसी डेविल ग्रुप और तृतीय स्थान हेलिओंस ग्रुप को घोषित किया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. आर. सी. लोढ़ा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि हर डिजाइन यह साबित करता है कि फैशन वास्तव में एक वैश्विक भाषा है। ऐसे आयोजनो से छात्राओं में प्रतिस्पर्धा एवं सहयोग की भावना का विकास होता है। इस रचनात्मक आयोजन को सफल बनाने में नोडल अधिकारी छवि गरवाल, व्याख्याता रितु प्रजापति, प्रियंका मंगरोला, नीलम खत्री एवं भावना सोनी का विशेष योगदान रहा ।

विधायक कोठारी के प्रयासों से मेजा की नहरों का होगा जीणोद्धार

भीलवाड़ा . शाबाश इंडिया। विधायक अशोक कोठारी ने पिछले दिनों मुख्यमंत्री, वित्त मंत्री व जल संसाधन मंत्री को शहर से गुजर रही मेजा की नहरों के जीणोद्धार के लिए पत्र लिखकर व मुलाकात कर मांग की थी। जिसपर 10 करोड़ रुपए की धनराशि की अनुमति प्रदान की। मीडिया प्रभारी पंकज आडवाणी ने बताया कि, वर्ष 1957 में निर्मित मेजा नहर भीलवाड़ा शहर के मध्य से गुजर रही है, सात दशक पुरानी यह नहर पूर्णतया क्षतिग्रस्त हो चुकी है। ज्ञात रहे कि भीलवाड़ा में मेजा की मेजर व माइनर यह दोनों नहर शहर के मध्य से निकलती है, जिसकी लंबाई करीब 6 से 7 किलोमीटर है, विधायक कोठारी द्वारा उक्त विषय पर प्रयास करते हुए सरकार व आला अधिकारियों से चर्चा कर मेजा नहरो के जीणोद्धार के लिए 10 करोड़ रुपये की धनराशि की अनुमति प्रदान करवाई, जिससे कि ग्रामीणों व किसानों को परेशानी से निजात मिल सकेगी। नहरों के क्षतिग्रस्त होने के कारण जब नहरे चलती है तब नहरों के आसपास स्थित घर, कॉलोनियों में पानी भर जाने की समस्या होती है, समस्त क्षतिग्रस्त नहरों का जीणोद्धार किया जाएगा।

जैन रामायण कथा के लिए विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को दिया आमंत्रण

जयपुर. शाबाश इंडिया। गुलाबी नगरी में पहली बार आयोजित हो रही जैन रामायण कथा के संगीतमय आयोजन में सम्मिलित होने तथा मुनि श्री जयकीर्ति जी महाराज के दर्शन आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से आयोजन समिति के प्रदीप जैन, विनोद जैन कोटखावदा, मनोज सोगानी पहाड़ी वाले एवं चेतन जैन निमोडिया ने मुलाकात कर आमंत्रित किया। इस मौके पर देवनानी ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे मुनि श्री जयकीर्ति महाराज के दर्शन एवं जैन रामायण कथा के श्रवण के लिए उपस्थित होंगे।इस मौके पर श्री देवनानी ने आयोजन के पोस्टर का विमोचन भी किया। विमोचन के मौके पर विधानसभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा,विशिष्ट सहायक के. के. शर्मा, राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, दक्षिण सम्भाग के अध्यक्ष चेतन जैन निमोडिया, युवा समाजसेवी मनोज सोगानी पहाड़ी वाले, नरेश कासलीवाल सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि जैन रामायण कथा का मंगलवार 27 मई को समापन होगा।इस मौके पर देवनानी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, थड़ी मार्केट में धार्मिक शिविर आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति व श्रमण संस्कृति संस्थान के तत्वावधान में श्री मती शीला डोडिया की प्रेरणा से श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर ,थड़ी मार्केट में धार्मिक शिविर बहुत ही सुचारू रूप से चल रहा है ' आज शिविर के बच्चों द्वारा अभिषेक किया गया उसके पश्चात पूजा करवाई गई। विद्या वसु पाठशाला के संयोजक पंकज लुहाड़िया ने बच्चों को अभिषेक करना सिखाया और अभिषेक और अष्ट द्रव्य से पूजा का महत्व बताया ।अध्यक्ष नीता जैन और मंत्री भंवरी देवी जैन ने बताया विदुषी बहनोंऔर समिति के मंत्री अशोक जी जैन के द्वारा पूजा करवाई गई । श्रमण संस्कृति संस्थान के मंत्री सुरेश कासलीवाल राजस्थान अंचल की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी बाकलीवाल और कोषाध्यक्ष श्रीमती विद्युत लुहाड़िया ने शिविर के बच्चों व महिलाओं का उत्साह देखकर सभी की बहुत प्रशंसा की। कोषाध्यक्ष मीना सेठी ने बताया कि आज की प्रभावना ज्ञानचंद जी कलेक्ट्री व सुकुमाल सविता जी के द्वारा दी गई । आज बच्चों व महिलाओं को अभिषेक व पूजा करके बहुत ही आनंद आया आज के इस कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष सुमत प्रकाश भी उपस्थित थे।

ब्लू डायमंड संगिनी फोरम का शपथ ग्रहण कार्यक्रम 'तिलक' संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। आज दिनांक 22 मई को गोपालपुरा बाईपास पर ग्रैंड सफारी होटल में ब्लू डायमंड संगिनी फोरम का शपथ ग्रहण कार्यक्रम 'तिलक' संपन्न हुआ। संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती सुशीला जैन ने बताया कि इस अवसर पर जेएससीआईएफ के पूर्व अध्यक्ष कमल संचेती नॉर्दर्न रीजन के अध्यक्ष राजीव पाटनी सचिव रविंद्र बिलाला व सिद्धार्थ जैन सपत्नी उपस्थित हुए । साथ मे ब्लू डायमंड के पदाधिकारी ने भी शिरकत की एवं कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाया नवनिर्वाचित अध्यक्ष निर्मला मेहनौत, पूर्व अध्यक्ष आशा पुन्नालिया उपाध्यक्ष रीना मेडतवाल सचिव सोनल जैन कोषाध्यक्ष नीना खाब्या सहसचिव विनीता जैन व टीम को वर्ष 2025- 27 हेतु शपथ दिलाई गई।

बाल अनाथ आश्रम जैन मिलन में अंजना ने स्टेशनरी वितरण की

भिंड. शाबाश इंडिया। आज दिनांक 22 को अटेर रोड स्थित बाल गृह बालक भिंड में जैन मिलन महिला अंजना शाखा द्वारा बाल गृह में निवास जरूरतमंद बच्चों को पढ़ाई लिखी हेतु आवश्यक सामग्री स्टेशनरी पेन पेंसिल बॉक्स वी नमकीन बिस्कुट चिप्स इत्यादि स्वल्पाहार भेंट किया गए सभी बहनों ने बच्चों के साथ बैठकर कुछ बातें की एक परिवार का रूप देकर समय व्यतीत किया बच्चों को जीवन में शिक्षा के महत्व को समझाया आज जैन मिलन महिला अंजना की सभी बहन को बच्चों के बीच जाने का सौभाग्य मिला बच्चों को अस्वाशन दिया समय-समय पर हम आते रहेंगे। क्षेत्रीय संगठन मंत्री वीरांगना आभा जैन, धार्मिक चेयरमैन वीरां स्नेहलता जैन, तीर्थ बचाओ समिति सदस्य वीरांगना मीरा जैन, अध्यक्ष सुनीता जैन मंत्री रेनू जैन मंजू जैन सुमन जैन सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

युवा समाजसेवी विनोद-दीपिका जैन कोटखावदा की 36वीं वैवाहिक वर्ष गांठ-मुनि जयकीर्ति महाराज से लिया आशीर्वाद

जयपुर. शाबाश इंडिया

दुर्गापुरा के श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्र प्रभजी में विशिष्ट राम कथाकार ध्यान दिवाकर दिगम्बर जैन मुनि श्री जयकीर्ति जी महाराज के मुखारविंद से जैन धर्म के प्राचीन ग्रंथ पद्मपुराण पर आधारित जैन रामायण कथा का संगीतमय आयोजन के दौरान मुनि श्री के सानिध्य में सैकड़ों समाज बन्धुओं की उपस्थिति में राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष युवा समाजसेवी विनोद - दीपिका जैन कोटखावदा की 36 वीं वैवाहिक वर्ष गांठ मनाई गई । इस मौके पर कोटखावदा दम्पति को मुनि श्री के पाद पक्षालन एवं दीप प्रज्जवलन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मुनि श्री ने धर्म वृद्धि का आशीर्वाद प्रदान किया।इस मौके पर उपस्थित सभी गणमान्य श्रेष्ठीजनो, समाज बन्धुओं ने बधाई एवं शुभकामनाएं देकर दीर्घायु होने तथा जीवन में प्रगति की कामना की।